Title: Need to implement family welfare progammes to control the increasing population of the country.

श्री रासा सिंह रावत (अजमेर): सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से एक ऐसे मसले की ओर आपका ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं, शायद इसके बारे में कोई चिन्तित नहीं, इसलिये इसके लिये मुझे अंत में समय दिया जा रहा है।

देश की जनसंख्या इतनी तेज़ी से बढ़ रही है कि गत 11 मई, 2000 को हम एक अरब का आंकड़ा पार कर चुके हैं। पिछले 50 वर्ा की हमारी जितनी योजनायें, कार्यक्रम और नीतियां थीं, अगर हम उनकी ओर नज़र डालकर देंखें तो कहीं भी उनका सकारात्मक परिणाम दिखाई नहीं दिया। सन् 1971 से लेकर 1996 तक हिन्दुस्तान की जनसंख्या में 38 करोड़ 60 लाख की वृद्धि हुई है। यह जनसंख्या विस्फोट है। अगर इस ओर सरकार तथा सभी दलों ने मिलकर राट्र हित को सर्वोपरि मानकर वरीयता प्रदान करके ध्यान नहीं दिया तो इस देश का भविय क्या होगा, मक्खी मच्छरों की तरह आदमी होने लग जायेंगे। इससे पानी, अन्न, कप्ड़े की तथा अन्य समस्यायें पैदा हो जायेगी। इसलिये मैं आपके माध्यम से सरकार और सदन से प्रार्थना करना चाहता हूं कि इस समस्या की गंभीरता को समझते हुये ऐसे कदम उठायें जिससे राट्रीय हित मे परिवार नियोजन का कार्यक्रम पूरा हो सके। इस के साथ यह भी विचार किया जाये कि इस योजना के फेल होने के क्या कारण रहे और किस प्रकार बढ़ती जनसंख्या पर नियंत्रण के लिये आवश्यक उपाय अपनाने का प्रयास किया जाये।